

उत्पत्ति में दी गई जानकारी हमें विभिन्न स्तरों पर दी गई है। जैसे एक कैमरा विभिन्न दृष्टिकोणों से तस्वीरें लेता है:

1. क्लोज़-अप - स्थिति का एक अंतरंग दृष्टिकोण जिसमें व्यक्तियों द्वारा अनुभव किए गए संवाद, विचार और भावनाएँ शामिल हैं।
2. सामाजिक - समाज के व्यापक दृष्टिकोण के रूप में जो आदम, हव्वा और फिर कैन के पाप के कारण विघटित होने लगता है।
3. वादा का बीज - ईश्वर के कार्य का दीर्घकालिक दृष्टिकोण जो मसीह के आगमन के लिए संसार को तैयार करता है, जैसे एक धागा या कहानी की रेखा जिसे पुस्तक बार-बार लौटकर देखती है।
4. बीजों का युद्ध - शैतान के बीज (जो ईश्वर के विरोधी, अविश्वासी हैं) और स्त्री के बीज (जो उस वंश का हिस्सा थे जो अंततः यीशु को पृथ्वी पर लाएगा) के बीच निरंतर युद्ध का एक चल रहा दृष्टिकोण।

हमारे पिछले पाठ में हम कैन और उसके दंड के एक नजदीकी दृश्य से शुरू होकर उसके दुष्टता के समाज में परिणाम के एक व्यापक दृश्य तक गए थे। अब हम आदम और हव्वा के अंतिम नजदीकी दृश्य से शुरू करते हैं, और फिर वादे के बीज का एक लंबा दृश्य देखते हैं।

वादा का बीज – उत्पत्ति 4:25-26

कहानी अब शैतान के बीज के वर्णन से समाज के प्राकृतिक विकास की ओर अपना ध्यान केंद्रित करती है।

जोर मानव घमंड और उपलब्धि पर नहीं है (कैसे मनुष्य इस दुनिया में परमेश्वर के साथ सामना कर रहा है)। मनुष्य बिना परमेश्वर में विश्वास के भी महान कार्य कर सकता है और कर चुका है। परमेश्वर इनकी अनुमति देता है और यहां तक कि इनके लिए व्यवस्था भी करता है, जो कि उसके प्रेम और धैर्य का प्रदर्शन है।

शास्त्र अब एक और प्रकार के मनुष्य का वर्णन करते हैं, जो प्रभु के नाम को पुकारता है। यह "स्त्री के बीज," "वादा के बीज" के विकास की शुरुआत होगी। दृष्टिकोण समाज के व्यापक भाग से हटकर उन लोगों की पंक्ति पर केंद्रित होगा जिनके माध्यम से परमेश्वर अपना वादा पूरा करेगा।

दुनिया चलती रहेगी और खोजें होती रहेंगी, राजा और राष्ट्र उठेंगे और गिरेंगे (सभी पुरातत्वविदों और इतिहासकारों द्वारा दस्तावेजीकृत), और बाइबल इनका उल्लेख करेगी लेकिन मुख्य रूप से यह "स्त्री के बीज" के विकास की कहानी और मसीह के अंततः आने का अनुसरण करेगी।

आदम ने हव्वा के साथ फिर शारीरिक सम्बन्ध किया और हव्वा ने एक और बच्चे को जन्म दिया। उन्होंने इस बच्चे का नाम शेत रखा। हव्वा ने कहा, “यहोवा ने मुझे दूसरा पुत्र दिया है। कैन ने हाबिल को मार डाला किन्तु अब शेत मेरे पास है।”

- उत्पत्ति 4:25

शब्द सेथ का अर्थ है "नियुक्त" या "प्रतिस्थापित" और यह दर्शाता है कि आदम और हव्वा ने इस पुत्र को अपने जीवन में क्या माना। हाबिल के लिए एक प्रतिस्थापन, एक और व्यक्ति जिसके माध्यम से वादा पूरा किया जाएगा।

ध्यान दें कि इस बार ईव ने बच्चे का नाम रखा है, न कि आदम ने।

शेत का भी एक पुत्र था। इसका नाम एनोश था। उस समय लोग यहोवा पर विश्वास करने लगे।

- उत्पत्ति 4:26

बाइबल यह नहीं बताती कि सेथ ने क्या किया, उसकी पत्नी कौन थी, आदि, केवल यह कि उसके एक पुत्र था (कई में से एक) लेकिन एक विशेष पुत्र जिसके जीवन के दौरान एक महत्वपूर्ण परिवर्तन होने वाला था।

एनोश का अर्थ है "नश्वर दुर्बलता"। यह सुझाव दे सकता है कि अपने समय में उसने जीवन की नाजुकता और मृत्यु की निश्चितता को समझना शुरू किया।

- बगीचे की कहानी
- कम हुई क्षमताएँ
- हेबेल की मृत्यु
- समाज में बढ़ती शत्रुता।

यही वह समय है जब मनुष्य प्रभु को पुकारना शुरू करते हैं। वे एक आध्यात्मिक आवश्यकता से अवगत होते हैं, और उनके बीच परमेश्वर की अनुपस्थिति मनुष्यों को परमेश्वर की पूजा और प्रार्थना करने के लिए प्रेरित करती है।

यह आदम और हव्वा का एक क्लोज़-अप दृश्य है जो प्रभु के पीछे विश्वासपूर्वक चलते रहते हैं। उनका विश्वास एक बच्चे से पुरस्कृत होता है जो केवल हाबिल की जगह नहीं लेता बल्कि जो उन्हें उनके उद्धार की आशा बनाए रखने में मदद करेगा।

आदम की वंशावली

मैंने कहा कि उत्पत्ति को विभिन्न तरीकों से विभाजित किया जा सकता है:

1. अवलोकन विभाजन सृष्टि – 1-11
2. चुना हुआ लोग – 12-50
3. पीढ़ीगत विभाजन

9 पीढ़ियाँ उन लोगों की जिन्होंने वास्तव में पुस्तक लिखी। यह एक बहुत अधिक प्राकृतिक विभाजन है।

- स्वर्ग और पृथ्वी की पीढ़ियाँ – 1:1-2:4
- आदम की पीढ़ी – 2:4-5:1
- नोआह की पीढ़ी – 5:1-6:9
- नोआह के पुत्रों की पीढ़ियाँ – 6:9-10:1
- शेम के पुत्रों की पीढ़ियाँ – 10:1-11:10

ध्यान दें कि कहानी बीज की वंशावली का अनुसरण करती है और अन्य दो वंशावली (हम और याफ़ेत) को अनदेखा करती है:

- तेरह की पीढ़ियाँ – 11:10-11:27
- इसहाक की पीढ़ियाँ – 11:27-25:29
- याकूब की पीढ़ियाँ – 25:29-37:2
- याकूब के पुत्रों की पीढ़ियाँ – 37:2-निर्गमन 1:1

उत्पत्ति 5:1 में हम आदम द्वारा उसके समय और स्त्री के बीज के विकास के संबंध में प्रदान की गई लेखन का अंत देखते हैं।

यह अध्याय आदम के परिवार के बारे में है। परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप में बनाया।

- उत्पत्ति 5:1a

ध्यान दें कि पद कहता है, "...पुस्तक..." यह सुझाव देता है कि केवल मौखिक परंपराएं ही नहीं थीं, बल्कि आदम ने अपनी जानकारी लिखी और अपने पुत्रों के लिए छोड़ दी। वे शुरू से ही परमेश्वर के उनके साथ व्यवहार को दर्ज कर रहे थे और उन्हें आने वाली पीढ़ियों के लिए संरक्षित कर रहे थे।

यह आदम के जीवन का सारांश है उसके आरंभ से और जैसा कि पद कहता है, आदम की "पीढ़ियों" या उत्पत्ति का वर्णन करने वाली पुस्तक।

¹ यह अध्याय आदम के परिवार के बारे में है। परमेश्वर ने मनुष्य को अपने स्वरूप में बनाया। ² परमेश्वर ने एक पुरुष और एक स्त्री को बनाया। जिस दिन परमेश्वर ने उन्हें बनाया, आशीष दी एवं उसका नाम "आदम" रखा।

- उत्पत्ति 5:1b-2

यह पद एक अन्य लेखक (नोआ) द्वारा तैयार किए गए खंड की शुरुआत करता है। वह आदम के जीवन का सारांश प्रस्तुत करता है, जो उसके बगीचे में सृजन से शुरू होता है।

यह अतीत में जो हुआ है और वर्तमान लेखक जो रिकॉर्ड करेगा उसके बीच एक प्रत्यक्ष "संपर्क" प्रदान करता है।

³ जब आदम एक सौ तीस वर्ष का हो गया तब वह एक और बच्चे का पिता हुआ। यह पुत्र ठीक आदम सा दिखाई देता था। आदम ने पुत्र का नाम शेत रखा। ⁴ शेत के जन्म के बाद आदम आठ सौ वर्ष जीवित रहा। इन दिनों में आदम के अन्य पुत्र और पुत्रियाँ पैदा हुईं। ⁵ इस तरह आदम पूरे नौ सौ तीस वर्ष तक जीवित रहा, तब वह मरा।

- उत्पत्ति 5:3-5

अपने जीवन का सारांश प्रस्तुत करने और जो लिखा गया है और वर्तमान कहानी के बीच संबंध स्थापित करने के बाद, लेखक आदम की मृत्यु सूचना का उद्घोष करता है।

सेथ का 130 वर्ष की आयु में होना यह नहीं दर्शाता कि इसके पहले उनके और कोई बच्चे नहीं थे। इसका केवल यह अर्थ है कि जिसके द्वारा "वादा" आया (क्योंकि यही बाइबल ट्रैक कर रही है) वह आदम के 130 वर्ष की आयु में जन्मा था।

आदम 930 वर्ष की आयु में मर जाता है।

⁶ जब शेत एक सौ पाँच वर्ष का हो गया तब उसे एनोश नाम का पुत्र पैदा हुआ। ⁷ एनोश के जन्म के बाद शेत आठ सौ सात वर्ष जीवित रहा। इसी शेत के अन्य पुत्र—पुत्रियाँ पैदा हुईं। ⁸ इस तरह शेत पूरे नौ सौ बारह वर्ष जीवित रहा, तब वह मरा।

⁹ एनोश जब नव्वे वर्ष का हुआ, उसे केनान नाम का पुत्र पैदा हुआ। ¹⁰ केनान के जन्म के बाद एनोश आठ सौ फन्द्रह वर्ष जीवित रहा। इन दिनों इसके अन्य पुत्र और पुत्रियाँ पैदा हुईं। ¹¹ इस तरह एनोश पूरे नौ सौ पाँच वर्ष जीवित रहा, तब वह मरा।

¹² जब केनान सत्तर वर्ष का हुआ, उसे महललेल नाम का पुत्र पैदा हुआ। ¹³ महललेल के जन्म के

बाद केनान आठ सौ चालीस वर्ष जीवित रहा। इन दिनों केनान के दूसरे पुत्र और पुत्रियाँ पैदा हुई।¹⁴ इस तरह केनान पूरे नौ सौ दस वर्ष जीवित रहा, तब वह मरा।

¹⁵ जब महललेल पैसठ वर्ष का हुआ, उसे येरेद नाम का पुत्र पैदा हुआ।¹⁶ येरेद के जन्म के बाद महललेल आठ सौ तीस वर्ष जीवित रहा। इन दिनों में उसे दूसरे पुत्र और पुत्रियाँ पैदा हुई।¹⁷ इस तरह महललेल पूरे आठ सौ पंचानवे वर्ष जीवित रहा। तब वह मरा।

¹⁸ जब येरेद एक सौ बासठ वर्ष का हुआ तो उसे हनोक नाम का पुत्र पैदा हुआ।¹⁹ हनोक के जन्म के बाद येरेद आठ सौ वर्ष जीवित रहा। इन दिनों में उसे दूसरे पुत्र और पुत्रियाँ पैदा हुई।²⁰ इस तरह येरेद पूरे नौ सौ बांसठ वर्ष जीवित रहा, तब वह मरा।

²¹ जब हनोक पैसठ वर्ष का हुआ, उसे मतूशेलह नाम का पुत्र पैदा हुआ।²² मतूशेलह के जन्म के बाद हनोक परमेश्वर के साथ तीन सौ वर्ष रहा। इन दिनों उसके दूसरे पुत्र पुत्रियाँ पैदा हुई।²³ इस तरह हनोक पूरे तीन सौ पैसठ वर्ष जीवित रहा।²⁴ एक दिन हनोक परमेश्वर के साथ चल रहा था और गायब हो गया क्योंकि परमेश्वर ने उसे उठा लिया।

²⁵ जब मतूशेलह एक सौ सत्तासी वर्ष का हुआ, उसे लेमेक नाम का पुत्र पैदा हुआ।²⁶ लेमेक के जन्म के बाद मतूशेलह सात सौ बयासी वर्ष जीवित रहा। इन दिनों उसे दूसरे पुत्र और पुत्रियाँ पैदा हुई।²⁷ इस तरह मतूशेलह पूरे नौ सौ उनहत्तर वर्ष जीवित रहा, तब यह मरा।

²⁸ जब लेमेक एक सौ बयासी वर्ष का हुआ, वह एक पुत्र का पिता बना।²⁹ लेमेक के पुत्र का नाम नूह रखा। लेमेक ने कहा, “हम किसान लोग बहुत कड़ी मेहनत करते हैं क्योंकि परमेश्वर ने भूमि को शाप दे दिया है। किन्तु नूह हम लोगों को विश्राम देगा।”

³⁰ नूह के जन्म के बाद, लेमेक पाँच सौ पंचानवे वर्ष जीवित रहा। इन दिनों उसे दूसरे पुत्र और पुत्रियाँ पैदा हुई।³¹ इस तरह लेमेक पूरे सात सौ सतहत्तर वर्ष जीवित रहा, तब वह मरा।

³² जब नूह पाँच सौ वर्ष का हुआ, उसके शेम, हाम, और येपेत नाम के पुत्र हुए।

- उत्पत्ति 5:6-32

यहाँ नूह उन नौ अन्य प्राचीन (या बाढ़ से पहले के) पितृपुरुषों को सूचीबद्ध करता है जिनके माध्यम से स्त्री की संतान आएगी। कुल मिलाकर ऐसे दस हैं।

पैट्रियार्क नाम का अर्थजन्म का वर्षमृत्यु का वर्ष आदम"मनुष्य"1930 सेठ"नियुक्त"1301042
एनोश"नश्वर दुर्बलता"2351140 कैनेन"लोहार"3251235 महाललीएल"ईश्वर की स्तुति
हो"3951290 जारड"अवतरण"4601422 हनोक"समर्पण"622987मेथुशेलह"जब वह मरे,
न्याय"6871656 लामेक"विजेता"8741651 नोआह"विश्राम"10562006

इन पुरुषों के बारे में कुछ रोचक जानकारी:

1. ये वे पितृपुरुष हैं जिन्होंने स्त्री के बीज को रखा, न कि केवल वे लोग जो मौजूद थे।

2. आदम तब तक जीवित रहे जब तक लैमेक, जो नूह के पिता थे, जीवित थे। नूह और आदम के बीच केवल एक पीढ़ी का अंतर था। कहानी और जानकारी अभी भी ताजा है।
3. एनोख – जूड 14-15 वास्तव में इस पितृपुरुष द्वारा की गई कुछ भविष्यवाणियों का उद्धरण करता है, जिन्होंने न केवल नूह के समय आने वाले संसार के न्याय की भविष्यवाणी की थी, बल्कि मसीह की दूसरी बार आने की भी। ये ऐसी सबसे पुरानी भविष्यवाणियाँ हैं, बाढ़ से पहले की।

वह "ईश्वर के साथ चला" क्योंकि वह एक दुष्ट समय में एक विश्वासी था (लैमेक सातवीं पीढ़ी में था और एनोख भी)। उसे मृत्यु देखे बिना स्वर्ग ले जाया गया। इब्रानियों 11:5 अधिक विवरण देता है।

प्राचीन नबी ने न केवल वर्तमान पीढ़ी को न्याय की चेतावनी दी बल्कि बाढ़ से पहले विश्वास करने वालों को दो बातों के लिए प्रोत्साहित किया:

1. वादा पूरा होगा।
2. वादा का स्वभाव मृत्यु से मुक्ति था क्योंकि वह मर नहीं गया।

वह एक "प्रकार" था जिसने बाढ़ से पहले वादे की शाश्वत प्रकृति का पूर्वावलोकन किया। एलियाह इस "प्रकार" थे पुराने नियम (2 राजा 2:11) के दौरान क्योंकि उन्होंने भी मृत्यु नहीं देखी। मसीह नए नियम में "विपरीत प्रकार" या पूर्ति हैं।

प्रलय से पहले
मृत्यु नहीं देखी
एनोखप्रलय के बाद
मृत्यु नहीं देखी
एलियाहनया नियम पूर्णता
मृतकों में से जीवित किया गया
मसीह

3. मृत्यु पर परमेश्वर की शक्ति के उदाहरण।
4. वचन 25-27 – मेथुशेलह - उसका नाम यह दर्शाता है कि परमेश्वर उसके जीवन के अंत में कार्य करेगा। वह बाढ़ के वर्ष में मरता है, जैसा कि उसके नाम से पता चलता है।
5. वचन 28-32 – लैमेक और नूह - लैमेक एक भविष्यद्वक्ता था क्योंकि उसने अपने पुत्र के संबंध में भविष्य के बारे में कहा। उसने जितने भी बच्चे जन्म दिए, केवल नूह ही जीवित रहे। नूह के माध्यम से वादा किया गया बीज आएगा। नूह के केवल तीन पुत्र ही नहीं थे, लेकिन फिर भी इन्हीं तीनों का उल्लेख किया गया है क्योंकि केवल ये तीन ही जहाज पर आएंगे, इनके माध्यम से संसार फिर से आबाद होगा और एक (शेम) के द्वारा स्त्री का बीज जारी रहेगा।

अब हमने आदम और नूह के बीच सहस्राब्दी को एक व्यापक रूपरेखा के साथ स्थापित किया है, जबकि आदम से नूह तक के 10 पैट्रियाक्स के माध्यम से स्त्री के बीज का पता लगाया है।

सारांश

हम अक्सर वंशावली के भागों को पढ़ते हुए या छोड़ देते हैं, उन्हें उबाऊ और अप्रासंगिक समझते हुए, लेकिन इनसे कुछ महत्वपूर्ण सबक निकालने हैं।

1. परमेश्वर धैर्यवान है

छह दिनों में वह संसार और उसमें सब कुछ बनाता है, लेकिन वह मनुष्य को अपनी सीमा तक पहुँचने के लिए एक हजार वर्ष प्रतीक्षा करता है। वह धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करता है कि कौन उसकी ओर प्रतिक्रिया देगा इससे पहले कि वह न्याय करे।

जब हम अपने आप के प्रति अधीर होते हैं क्योंकि हम छह दिनों, छह हफ्तों या यहां तक कि छह वर्षों में किसी निश्चित बिंदु तक नहीं पहुंचे हैं या किसी पाप को पूरी तरह से नहीं हराया है, तो हमें इस तथ्य में सांत्वना लेनी चाहिए कि परमेश्वर हमारे प्रति धैर्यवान है, "जो चाहता नहीं कि कोई नाश हो बल्कि सबको पश्चाताप की ओर आए।" – 2 पतरस 3:9

ईश्वर नहीं चाहता कि कोई भी खो जाए। वह चाहता है कि हम पश्चाताप करें, न कि पूर्णता प्राप्त करें (जो संभव नहीं है)। इसमें अंतर है।

2. परमेश्वर की योजना विजयी होगी

शैतान और उसके वंश के पाप और चालों के बावजूद, स्त्री के वंश ने जीवित रहना जारी रखा। परमेश्वर की योजना यह है कि जो स्त्री के वंश हैं (मसीही), वे हनोक, एलियाह और मसीह के अनुभव को प्राप्त करें, ताकि वे मृत्यु पर विजय प्राप्त कर सकें।

ईश्वर ने इसे तब पूरा किया और यह हमें प्रोत्साहन देता है कि वह इसे अब पूरा कर सकता है और करेगा।

उस समय विश्वास करना अब से आसान नहीं था, बल्कि अधिक कठिन था। जो लोग उस समय विश्वास करते थे और धार्मिक जीवन जीते थे (10 पैट्रियाक्स) उन्होंने वादा प्राप्त किया। जो लोग अब विश्वास करते हैं और धार्मिक जीवन जीते हैं (यीशु के शिष्य) वे भी वादा प्राप्त करेंगे।